

## XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्थान मण्डल मध्यप्रदेश उत्तराखण्ड

प्रकरण क्रमांक = निः

—GJ / 14

मिल। दिनांक

उपर्युक्त अवलोकन के बिंदु पर दिए गए तर्कों पर विचार किया । यह प्रकरण अधीनस्थ न्यायालय के अंतरिम आदेश निःनाम०20-5-14 के तिरस्तु पेश किया गया है । अलोच्य आदेश द्वारा तहसीलदार ने उभयपक्षों को सुनने के उपरांत यह पाया है कि प्रश्नाधीन भूमि पर राजस्व अभिलेख में शिवनारायण, रमेश, रामचरण एवं सुरेश आ. पीरुलाल देवबाई बेवा पीरुलाल भूमिस्वामी हक पर दर्ज हैं । कमल श्री राजस्व अभिलेख में आवेदित भूमि की रिकार्ड भूमिस्वामी नहीं है और इस आधार पर उन्होंने कमल श्री द्वारा प्रस्तुत आपत्ति को निरस्त किया है तथा प्रकरण जबाव हेतु नियत किया है । प्रकरण के तथ्यों को देखते हुए अधीनस्थ न्यायालय के आदेश में कोई विधिक त्रुटि प्रतीत नहीं होती है । परिणामतः यह निगरानी अग्राह्य की जाती है ।

आवेदक सूचित हों । आदेश की प्रति अधीनस्थ न्यायालय को भेजी जाये । प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो ।


  
राजस्थान उपराज्यपाल

मिला तो बहुत ज्यादा चाहिए।

लिखने के लिए विशेष उपकरण नहीं होते।

जो भी उपकरण हो उसका उपयोग अच्छा होता है।

नियारोगिकों का लिखना बहुत होता है।

जो लिखना चाहते हैं तो उन्हें लिखना चाहिए।

दृष्टि अवधि किसी लिखने के लिए बहुत होती है।

### क्रिया

क्रिया का लिखना लुभावनी लिखने से अच्छा है।

क्रियालिंग लिखना लुभावनी लिखने से अच्छा है।

क्रियालिंग लिखना लुभावनी लिखने से अच्छा है।

हाथ का लिखना ड्यूलिंग लिखने से अच्छा है।

इ. २-स्क्रान लिखना (१) लुभावनी लिखने से अच्छा है।

स्क्रान लिखना लुभावनी लिखने से अच्छा है।